an>

Title: Regarding alleged leak of question paper of Clerical examination for Patna High Court.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदया, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मामले पर बोलने का अवसर दिया।

महोदया, बिहार के विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं और शैक्षणिक परीक्षाओं विशेषकर लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और अन्य परीक्षाओं में कदाचार, भ्रष्टाचार, प्रश्नपत्र लीक आदि के मामले प्रकाश में आने के परिणामस्वरूप बिहार के गौरवशाली इतिहास, बिहार की अस्मिता, बिहारवासियों की विश्वसनीयता पर गहरी चोट लगने के कारण मैं अत्यंत पीड़ा की स्थिति में इस सदन के समक्ष पूर्व में सुशासन के पर्याय बिहार को वर्तमान में कुशासन की कुरीतियों के संबंध में इस गरिमामय सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। फरवरी 2017, में बी.एस.एस.सी. पेपर लीक मामले की जांच कर रही एस.आई.टी. ने एक संलिप्त शिक्षक को हाल में गिरफ्तार किया। उसने एक सनसनीखेज मामले का उजागर करते हुए बताया कि वर्ष 2010 के पटना उच्च न्यायालय में क्लर्क की परीक्षा में आरोपित स्कूल के प्रश्नपत्र लीक किए गए थे। यह मामला माननीय न्यायालय के पवित्र मंदिर को कलंकित करने का ज्वलंत प्रमाण है। इस मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संवर्ग के अधिकारी की संलिप्तता और आई.ए.एस. अधिकारियों का सामूहिक विरोध सत्ता के शीर्ष पर बैठे मास्टरमाइंड और उनके सहयोगी के कारनामों की ओर इंगित कर रहे हैं। अतः यह मामला राज्य का नहीं बल्कि केन्द्र सरकार से भी संबंधित है, क्योंकि मामला आई.ए.एस. और हाईकोर्ट से जुड़ा हुआ है। आरोपी के द्वारा बताया गया है कि प्रश्न पत्र लीक और रुपये के लेन-देन का मामला 2007 से शुरू है। ऐसी स्थिति में केवल अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेवार बताकर सुशासन बाबू और उनके गिरोह को क्षमादान देना बिहार के प्रतिभाशाली और गरीब छात्रों के साथ इंसाफ नहीं होगा।...(व्यवधान) ऐसे कृत्यों से बिहार से नौजवानों की प्रतिभा का पलायन होगा। यह मामला सीरियल ब्लास्ट अगेन्स्ट इंटेलेक्चुअल यूथ्स स्टूडेंट्स एंड पूअर स्टूडेंट्स का है। बिहार में शैक्षणिक परीक्षा हो या नियुक्ति परीक्षा हो, सभी परीक्षाओं में भीषण कदाचार और भ्रष्टाचार के मामले का उद्भेदन हुआ है।

माननीय अध्यक्ष : आप इतना लम्बा-चौड़ा भाषण मत दीजिए।

श्री सुशील कुमार सिंह : इन परीक्षाओं में संलिप्त आरोपित के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने आय से अधिक सम्पति का मामला दर्ज किया है। इस मामले में शिक्षा के शीर्ष पर बैठे अध्यक्ष की संलिप्तता उजागर हुई है और बड़े राजनीतिज्ञों विशेषकर सत्तारूढ़ दल के माननीय विधायक के नाम भी उजागर हुए हैं। परंतु ऐसे कुछ सफेदपोश लोगों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। ऐसे मामले में निर्दोष को फंसाकर सफेदपोशों को बचाने का षडयंत्र भी किया जा रहा है। ...(व्यवधान)

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदया, यह बहुत गम्भीर मामला है।

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री सुशील कुमार सिंह : बिहार के लाखों छात्रों और नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, जो मेधावी छात्र हैं, जो मेधावी नौजवान हैं, उनके भविष्य चौपट हो रहे हैं। वहां के अभिभावक भी चिंतित हैं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Except Shri Sushil Kumar Singh's speech, nothing will go on record.

*â€¦(Interruptions) â€¦**

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : उनके बच्चे रात-दिन पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं, वे मेधावी हैं, लेकिन उनके भविष्य का क्या होगा।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, आप उसकी इंक्वायरी चाहेंगे, उतना ही बोलकर खत्म कीजिए।

श्री सुशील कुमार सिंह: महोदया, बिहार एक पिछड़ा और गरीब राज्य है। वहां के सभी अभिभावकों के पास इतने पैसे नहीं हैं, उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे अपने बच्चों को दूसरे प्रदेशों में भेजकर पढ़ा सकें। इन घोटालों को लेकर अभिभावक चिंतित हैं।

माननीय अध्यक्ष : आप डिमांड रखिये, दो-दो पन्ने नहीं पढ़ते, मैंने कई बार बोला है। It is not allowed during 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

श्री सुशील कुमार सिंह : मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह मांग करता हूं...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप ज्यादा लम्बी बात मत करो, सिर्फ मांग करो।

श्री सुशील कुमार सिंह : मैं अब डिमांड कर रहा हूं। एक समय बिहार के मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि बिहार के बच्चों की मेधा इतनी है कि उन्हें यदि चांद पर भेज दिया जाए और यदि वहां भी कोई परीक्षा हो तो वे उसमें भी अव्वल आ जायेंगे और उसी राज्य में ये घोटाले हो रहे हैं। वहां छात्रों और नौजवानों का भविष्य चौपट हो रहा है। ...(व्यवधान) कौशलेन्द्र जी, सच को सुनने का धैर्य और साहस होना चाहिए। बिहार सरकार से सी.बी.आई. जांच की अनुशंसा कराइये।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री राहुल कस्वां - उपस्थित नहीं।

श्री नव कुमार सरनीया - उपस्थित नहीं।

श्री शैलेश कुमार बुलोमंडल - उपस्थित नहीं।

आज क्या बात है, श्री हरीश चंदू चौहान, आप बोलिये।

श्री सुशील कुमार सिंह : महोदया, मेरी सरकार से मांग है कि इन मामलों की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री शरद त्रिपाठी, श्री अश्विनी कुमार चौबे तथा कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।